भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2687
जिसका उत्तर सोमवार, 28 जुलाई, 2014 को दिया जाना है

भेल परियोजनाएं

2687. श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) ने राजस्थान सहित देश में विद्युत संयंत्रों की स्थापना करने के लिए विद्युत कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और प्रत्येक मामले में राज्य-वार स्थिति क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा इन्हें पूरा करने में तेजी लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और इन परियोजनाओं को राज्य-वार कब तक शुरू किए जाने की संभावाना है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री पोन्. राधाकृष्णन)

(क): जी, हां।

(ख) और **(ग):** बीएचईएल द्वारा कार्यान्वित की जा रहीं सभी परियोजनाओं की आवधिक समीक्षा मंत्रालय द्वारा की जाती है तथा परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के लिए बीएचईएल को विशेष निर्देश दिए जाते हैं। वर्तमान स्थिति और पूरा किए जाने/प्रचालनरत करने की समय-सीमा सहित परियोजनाओं का राज्यवार ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्रम सं.	**राज्य**	**समझौता ज्ञापन/परियोजना का ब्यौरा**	**स्थिति**	**परियोजना के पूरा होने/प्रचालनरत होने की समय-सीमा**
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	राजस्थान	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल), भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई), सांभर साल्ट्स लिमिटेड (एसएसएल), पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड), सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएनएल) और राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेन्ट्स लिमिटेड (आरईआईएल) ने राजस्थान के सांभर में 4000 मेगावाट की संचित क्षमता वाली अल्ट्रा मेगा सौर विद्युत परियोजना (यूएमएसपीपी) बनाओ, अपनाओ और चलाओ आधार पर, चरणबद्ध रूप से स्थापित करने के लिए एक संयुक्त उद्यम कंपनी (जेवीसी) बनाने हेतु 29 जनवरी, 2014 को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। सांभर में यूएमएसपीपी के नियोजित प्रथम चरण में 1000 मेगावाट और शेष 3000 मेगावाट क्षमता बाद के चरणों में विकसित की जाएगी। यह भारी	• 4000 मेगावाट यूएमएसपीपी के लिए पूर्व व्यवहार्यता अध्ययन एसईसीआई द्वारा पूरा कर लिया गया है। • मसौदा निर्णायक दस्तावेज और संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन के लिए साझेदारों में विचार-विमर्श चल रहा है। • व्यवहार्यता अंतराल वित्तपोषण के अनुदान हेतु एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए अंतर-मंत्रालयी क्लीअरेंस की प्रतीक्षा है।	सभी अनुमोदन और निकासी की तारीख से 7 से 8 वर्ष

		उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय (एचआईएंडपीई), नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) तथा विद्युत मंत्रालय (एमओपी) की एक पहल है।		
2	कर्नाटक	बीएचईएल और कर्नाटक पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) ने कर्नाटक के रायचूर जिले के येरामारस (2x800 मेगावाट) और एदलापुर(1x800 मेगावाट) सुपर-क्रिटिकल ताप विद्युत संयंत्रों की निर्माण, स्वामित्व और प्रचालन आधार पर स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर जनवरी, 2009 में हस्ताक्षर किए और रायचूर पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल) के नाम से एक संयुक्त उद्यम कंपनी अप्रैल, 2009 में निगमित की।	<u>येरामारस परियोजना</u> कार्यान्वित की जा रही है। <u>एदलापुर परियोजना</u> पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से अनापत्ति की प्रतीक्षा है।	<u>येरामारस परियोजना :2015-16</u> <u>एदलापुर परियोजना</u> पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से अनापत्ति और अन्य आवश्यक अनुमोदन/ आगे बढ़ने के लिए नोटिस के मिलने के बाद 4 से 5 वर्ष
3	मध्य प्रदेश	बीएचईएल और मध्य प्रदेश पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) ने मध्य प्रदेश के खण्डवा में 2x800 मेगावाट सुपर-क्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना की निर्माण, स्वामित्व और प्रचालन आधार पर स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर नवम्बर, 2009 में हस्ताक्षर किए और रायचूर पावर दादा धुनिवाले खण्डवा पावर लिमिटेड (डीडीकेपीएल) के नाम से एक संयुक्त उद्यम कंपनी फरवरी, 2010 में निगमित की।	संयुक्त उद्यम कंपनी ने जनवरी, 2010 में कोल लिंकेज के लिए आवेदन किया था। इसका अभी तक आबंटन नहीं किया गया है। परियोजना केवल तभी आगे बढ सकती है जब कोल लिंकेज दे दिया जाए या संयुक्त उद्यम कंपनी के लिए कोल ब्लॉक आबंटित कर दिया जाए।	संयुक्त उद्यम कंपनी के लिए कोल लिंकेज की स्थापना या कोल ब्लॉक आबंटन पर निर्भर
4	महाराष्ट्र	बीएचईएल और महाराष्ट्र स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) ने महाराष्ट्र के लातूर में 2x660 मेगावाट सुपर-क्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना या 1500 मेगावाट गैस आधारित कंबाइंड साइकिल विद्युत संयंत्र की निर्माण, स्वामित्व और प्रचालन आधार पर स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर अगस्त, 2009 में हस्ताक्षर किए और लातूर पावर कंपनी लिमिटेड (एलपीसीएल) के नाम से एक संयुक्त उद्यम कंपनी अप्रैल, 2011 में निगमित की।	कोल लिंकेज उपलब्ध न होने तथा घरेलू गैस के भी उपलब्ध न होने के कारण, विद्युत निर्माण के लिए एक सोलर फोटो वॉल्टिक संयंत्र स्थापित करने के दूसरे विकल्प पर विचार किया गया था जो सफल नहीं हुआ। संयुक्त उद्यम कंपनी अपने प्रमोटरों द्वारा स्वैच्छिक रूप से बंद करने की प्रक्रिया में है।	कॉलम (4) में दी गई स्थिति की दृष्टि से लागू नहीं।

*****